अब सौ से अधिक आबादी वाले मजरे, टोले सड़क से जुड़ेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 11 मार्च, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रदेश सरकार ने नई पहल शुरू की है.

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा सुगम संपर्कता परियोजना की शुरुआत की गई है, जिसके माध्यम से गांव, ग्राम पंचायत और 100 से अधिक आबादी वाले मजरा-टोला तथा मुख्यमंत्री मजरा-टोला योजना के तहत चिन्हित बस्तियों को भी सड़क सुविधा से जोड़ा जाएगा. परियोजना अंतर्गत सड़कों का निर्माण मनरेगा यानी बीवी-जीरामजी योजना के माध्यम से कराया जाएगा. इसके लिए प्रदेश की प्रत्येक जनपद पंचायत को रुपए 3 करोड़ तक की स्वीकृति प्रदान करने का अधिकार दिया गया है. मप्र राज्य रोजगार गारंटी परिषद द्वारा सभी जनपद पंचायतों को राशि भी आवंटित कर दी गई है. परियोजना के तहत मजरे-टोले और सांदीपनि विद्यालयों तक बनने वाली सड़कों के लिए स्थान का चयन सिपरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जाएगा. साथ ही सड़कों की डीपीआर तैयार करने के लिए सिपरी सॉफ्टवेयर और आरआईएमएस का उपयोग किया जाएगा.

ड्रोन से होगी निगरानी

परियोजना के तहत बनने वाली सड़कों की निगरानी ड्रोन तकनीक से की जाएगी. निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा.

28 तक डीपीआर तैयार करने के निर्देश

आयुक्त मप्र राज्य रोजगार गारंटी परिषद अवि प्रसाद ने बताया कि परियोजना के तहत 28 मार्च तक डीपीआर तैयार कर उसकी तकनीकी और प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त करने के निर्देश दिए.

सागर में ज्ञानवीर विश्वविद्यालय का शुभारंभ

भोपाल/सागर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बुंदेलखंड में शिक्षा का नया अध्याय लिखा जा रहा है और ज्ञानवीर विश्वविद्यालय युवाओं के सपनों को नई ऊंचाई देने का माध्यम बनेगा. उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति ज्ञान और मूल्यों पर आधारित रही है और तक्षशिला तथा नालंदा जैसे विश्वविद्यालयों ने विश्व में भारतीय ज्ञान परंपरा का प्रसार किया. मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है और विश्व में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है. उन्होंने महान शिक्षाविद् डॉ. हरि सिंह गौर के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से सागर में शिक्षा का नया सूर्योदय हुआ और यहां से पढ़े विद्यार्थी देश-विदेश में अपनी पहचान बना रहे हैं. सागर में ज्ञानवीर विश्वविद्यालय के उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री ने राहतगढ़ और जेसीनगर में श्रमिकों के बच्चों के लिए आधुनिक लाइब्रेरी बनाने की घोषणा भी की. उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय बुंदेलखंड के युवाओं के सामर्थ्य और संकल्पों को नई दिशा देगा. मुख्यमंत्री ने इस पहल के लिए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत की सराहना करते हुए कहा कि ज्ञानवीर विश्वविद्यालय अपने माता-पिता के प्रति उनकी श्रद्धा का प्रतीक है.

सड़क दुर्घटना में दंपति की मौत, पुत्री घायल

शहडोल. जिले के केशवाही थाना क्षेत्र के मझौली गांव में एक अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दंपति की मौत हो गई, जबकि उनकी पुत्री गंभीर रूप से घायल हो गई. पुलिस के अनुसार एक बड़े वाहन ने पीछे से बाइक को टक्कर मार दी. दुर्घटना में बाइक सवार लल्लू बैगा और उनकी पत्नी सरस्वती बैगा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पुत्री सोहनी गंभीर रूप से घायल हो गई. राहगीरों की सूचना पर केशवाही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. घायल बालिका को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है.

सिलेंडर की जमाखोरी पर होगी सख्त कार्रवाई

मंत्री गोविन्द सिंह ने सभी कलेक्टर्स को दिए निर्देश

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 11 मार्च, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि प्रदेश में एलपीजी उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी नही हो, इस हेतु लगातार प्रयास किये जा रहे हैं.

उन्होंने कहा है कि सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देशित किया गया है कि किसी भी स्थिति में वितरक स्तर पर एलपीजी सिलेंडर की जमाखोरी और कालाबाजारी की स्थिति निर्मित नहीं हो. राजपूत ने कहा है कि वर्तमान में प्रदेश में पेट्रोल, डीजल एवं घरेलू गैस सिलेण्डर का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है एवं आपूर्ति बनी हुई है.

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य के कारण आयात में हुई रुकावट को देखते हुए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय भारत सरकार द्वारा सभी सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कम्पनियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं कि एलपीजी की आपूर्ति एवं विपणन केवल घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं को किया जाये. ऑयल कम्पनियों द्वारा घरेलू उपभोक्ताओं को नियमित रूप से गैस की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिये वितरण प्रणाली में कुछ उपाय शुरू किये गये हैं. अब पिछली डिलीवरी के 25 दिन बाद ही रिफिल बुकिंग स्वीकार की जा रही है. इसका उद्देश्य कालाबाजारी और अफरा-तफरी को रोकना तथा उपभोक्ताओं को नियमित रूप से समान वितरण सुनिश्चित करना है. इन परिस्थितियों में ऑयल कम्पनियों द्वारा तय किया गया है कि वर्तमान में चिकित्सालय एवं शैक्षणिक संस्थाओं के अलावा किसी और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं (होटल, मॉल, वल्क एलपीजी का उपयोग करने वाले औद्योगिक क्षेत्र, फैक्ट्री आदि) को कॉमर्शियल एलपीजी की सप्लाई नहीं की जायेगी.

> सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देशित किया कि जिला स्तर पर खाद्य विभाग तथा ऑयल कम्पनी के अधिकारी और एलपीजी वितरकों के साथ नियमित रूप से बैठक कर वाणिज्यिक और घरेलू सिलेण्डर की उपलब्धता की समीक्षा करें. जिले के बड़े वाणिज्यिक उपभोक्ताओं की भी बैठक कर उनके पास उपलब्ध स्टॉक का विवेकपूर्ण उपयोग करने एवं उनकी ईंधन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये वैकल्पिक ईंधन आपूर्ति/स्रोतों का उपयोग करने की सलाह दी जाये.

एसीएस स्वास्थ्य की अध्यक्षता में समिति गठित

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल,11 मार्च. राज्य के कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के लिए प्रस्तावित समग्र स्वास्थ्य योजना के अंतिम प्रारूप, नीति निर्धारण के साथ ही कर्मचारी और पेंशनर्स संगठनों से परामर्श कर योजना को मंत्रि-परिषद के समक्ष अनुमोदन के लिए अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है.

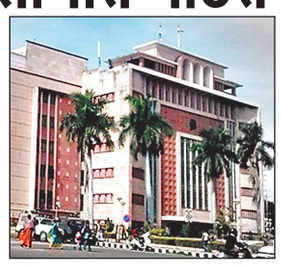

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश अनुसार समिति में अपर मुख्य सचिव वित्त, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन विभाग सदस्य जबकि आयुक्त लोक स्वास्थ्य सदस्य-सचिव होंगे. समिति प्रस्तावित योजना के सभी आवश्यक तत्वों जैसे पात्रता, कवरेज, वित्तीय माडल, क्रियान्वयन संरचना तथा हितधारकों के परामर्श को समाहित कर विस्तृत योजना दस्तावेज तैयार करेगी, जिसे मंत्रि-परिषद के अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा.

परियोजनाएं समय में, गुणवत्ता के साथ पूरी हों

भोपाल, 11 मार्च. तुलसीराम सिलावट ने जल संसाधन विभाग के अंतर्गत निर्माणाधीन कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में और पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए हैं.

उन्होंने कहा कि समय पर परियोजनाएं पूरी होने से जनता को उनका लाभ मिल सकेगा. साथ ही अधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है, ताकि कार्यों में किसी प्रकार की ढिलाई न हो. मंत्री सिलावट ने मंत्रालय में विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक ली. बैठक में अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा, प्रमुख अभियंता विनोद कुमार देवड़ा सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे. बैठक में नर्मदा-ताप्ती कछार इंदौर, जल संसाधन विभाग उज्जैन और नमामि क्षिप्रा परियोजना इकाई उज्जैन के अंतर्गत निर्माणाधीन वृहद एवं मध्यम परियोजनाओं की समीक्षा की गई.

मंत्री ने आगामी सिंहस्थ-2028 से जुड़े कार्यों—कान्ह डायवर्सन क्लोज डक्ट परियोजना, सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना और क्षिप्रा नदी के दोनों तटों पर घाट निर्माण—की प्रगति की जानकारी लेकर इन्हें समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए.

परियोजनाओं के पूर्ण होने पर उज्जैन, देवास, मंदसौर, नीमच, शाजापुर, झाबुआ, बुरहानपुर और धार जिलों में लगभग 5.44 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी. मंत्री ने अधिकारियों को इन परियोजनाओं की 15-15 दिन में समीक्षा कर तय समय में पूरा करने के निर्देश दिए.

आमिर खान प्रोडक्शंस ने रिलीज किया 'एक दिन' का ट्रेलर

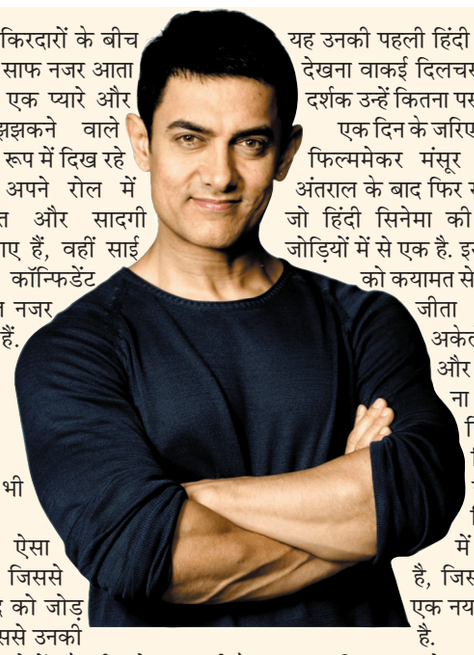

आमिर खान प्रोडक्शंस ने फिल्म 'एक दिन' का ट्रेलर रिलीज कर दिया है, जिसमें साई पल्लवी और जुनैद खान लीड रोल में नजर आ रहे हैं. ट्रेलर की शुरुआत बहुत ही सुकून भरी और दिल को छू लेने वाली दुनिया से होती है, जो दर्शकों को एक जादुई और क्लासिक प्रेम कहानी की झलक देती है. ट्रेलर में जुनैद खान एक 'फॉर्च्यून बेल' (किस्मत की घंटी) के बारे में बताते दिख रहे हैं, जिसे बजाने पर सच्चे प्यार की मुराद पूरी होती है. जब वह यह बात कह रहे होते हैं, तब वह साई पल्लवी के किरदार 'मीरा' की तरफ देखते हैं और मन ही मन दुआ करते हैं कि काश वो उनकी हो जाए.

वह कहते हैं कि वह चाहते हैं कि उनकी यह ख्वाहिश पूरी हो, भले ही सिर्फ एक दिन के लिए. ट्रेलर में जुनैद और साई पल्लवी के बीच की प्यारी केमिस्ट्री देखने को मिलती है, जो एक इमोशनल और दिल को छू लेने वाली लव स्टोरी का इशारा दे रही है.

दोनों किरदारों के बीच का अंतर साफ नजर आता है. जुनैद एक प्यारे और थोड़े झिझकने वाले लड़के के रूप में दिख रहे हैं, जो अपने रोल में मासूमियत और सादगी लेकर आए हैं, वहीं साई पल्लवी कॉन्फिडेंट और शांत नजर आ रही हैं. यह कॉन्ट्रास्ट उनकी केमिस्ट्री को और भी दिलचस्प और ऐसा बनाता है जिससे लोग खुद को जोड़ सकें, जिससे उनकी कहानी देखने में और भी मजेदार लगती है.

साई पल्लवी ने इस ट्रेलर में भी अपनी एक जबरदस्त छाप छोड़ी है, और क्योंकि यह उनकी पहली हिंदी फिल्म है, तो यह देखना वाकई दिलचस्प होगा कि हिंदी दर्शक उन्हें कितना पसंद करते हैं.

एक दिन के जरिए आमिर खान और फिल्ममेकर मंसूर खान एक लंबे अंतराल के बाद फिर से साथ आ रहे हैं, जो हिंदी सिनेमा की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक है. इस जोड़ी ने दर्शकों को कयामत से कयामत तक, जो जीता वही सिकंदर, अकेले हम अकेले तुम और जाने तू... या जाने ना जैसी यादगार फिल्में दी हैं. एक दिन के साथ यह जोड़ी एक बार फिर रोमांस जॉनर में वापसी कर रही है, जिसने फैंस के बीच एक नया उत्साह भर दिया है.

आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म 'एक दिन' में साई पल्लवी और जुनैद खान मुख्य भूमिकाओं में हैं.

छावा की वीरता को मंच पर जिंदा कर गए विक्की कौशल

जी ने एक बार फिर भारतीय सिनेमा के जादू का जश्न मनाया मारुति सुजुकी प्रस्तुत 24वें ज़ी सिने अवॉर्ड्स 2026 के साथ,यादगार पलों के बीच विक्की कौशल की परफॉर्मेंस सबसे खास रही. अपनी बहुमुखी प्रतिभा और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए पहचाने जाने वाले इस एक्टर ने अपने चर्चित किरदार 'छावा' की वीरता और भव्यता को मंच पर जिंदा कर दिया. अपने इसी किरदार को समर्पित ये खास ट्रिब्यूट रात के सबसे चर्चित पलों में शामिल हो गया. इस प्रस्तुति की शुरुआत भी बेहद भव्य अंदाज में हुई. विक्की कौशल एक विशाल हाथी के प्रॉप पर सवार होकर मंच पर पहुंचे. उनकी ये एंट्री देखते ही दर्शकों का ध्यान तुरंत मंच की ओर खिंच गया और पूरा एरिना एक बड़े सिनेमाई दृश्य जैसा नजर आने लगा.

मिडिल ईस्ट संकट के बीच कुवैत से लौटीं उर्वशी रौतेला

इजराइल और ईरान के बीच लड़ाई के बाद मिडिल ईस्ट में टेंशन का माहौल बना हुआ है. इस बीच काम की वजह से कुवैत में फंसी बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला अब भारत लौट आई हैं. इंडिया वापस आने वाली अपनी फ्लाइट में चढ़ते समय उन्होंने इंस्टाग्राम पर स्टोरी पोस्ट कर अपनी स्थिति बताई और माना कि वह बहुत बेचैन और डरा हुआ महसूस कर रही हैं. उर्वशी ने कहा कि युद्ध की वजह से अचानक डर की लहर ने उन्हें घेर लिया, जिससे वह कमजोर और बेचैन महसूस करने लगीं.

उर्वशी एक वीडियो में इमोशनल दिखीं, जिसे उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पोस्ट किया. वह इसमें आंसू पोंछती हुई दिखीं. उन्होंने अपने फैंस से कहा कि वे उन्हें अपनी दुआओं में रखें और घर वापस सुरक्षित सफर के लिए प्रार्थना करें. उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी फीलिंग्स बताते हुए एक नोट भी लिखा. उर्वशी ने माना कि प्लेन में चढ़ने तक वह ठीक थीं. उसके बाद उन्हें अचानक डर लगने लगा. उन्होंने लिखा, 'जब तक मैं प्लेन में बैठी, तब तक मैं बिल्कुल ठीक थी...लेकिन जैसे ही मैं अंदर बैठी अचानक डर की यह लहर मुझ पर छा गई और मेरा दिल तेजी से धड़कने लगा. मुझे नहीं पता क्यों लेकिन मुझे अचानक बहुत डर लगने लगा. 'उर्वशी रौतेला ईरान-इजराइल युद्ध के बीच कुवैत छोड़ भागीं, डर के मारे हुआ बुरा हाल, फ्लाइट में फूट-फूट कर रोईं.

दुनिया एक दिल' के साथ ताज़गीभरा रंग

ऑनलाइन और ऑफलाइन दुनिया के बीच के फर्क को दिखाते हुए कलर्स लेकर आया है 'दो दुनिया एक दिल', एक दिलचस्प प्रेमकथा जिसमें वर्चुअल वैलिडेशन और असली जज़्बात आमने-सामने आते हैं. एसओएल प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित इस शो में विक्रम सिंह चौहान शिवाय के किरदार में, राची शर्मा आध्या के रूप में और सुधांशु पांडे बलदेव सिंह के रूप में नजर आएंगे .इस ड्रामा के केंद्र में है शिवाय कन्नौज शहर का एक तेज़-तर्रार, खुद से बना टेक उद्यमी, जिसने कभी विश्वास किया था कि इंटरनेट जिंदगियाँ बदल सकता है. लेकिन एक धोखाधड़ी ने उसकी मेहनत की कमाई छीन ली और डिजिटल दुनिया पर उसका भरोसा तोड़ दिया. इसी हादसे ने उसे स्क्रीन से दूर कर दिया और उसने ठान लिया कि अब वह कुछ असली तलाश करेगा. इसके बिल्कुल उलट है आध्या एक करिश्माई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, जिसकी जिंदगी रील्स, रीच और रिलवेंस पर टिकी है. उसके लिए दिखना ही ताक़त है और ऑनलाइन दुनिया ही उसका घर. जब किस्मत दोनों को आमने-सामने लाती है, तो चिंगारियाँ उठती हैं और मोहब्बत परवान चढ़ती है.

सेट पर उल्टा लटकना बना प्रियंवदा कांत का 'न्यू नॉर्मल'

अभिनेत्री प्रियंवदा कांत, जो एण्डटीवी के सुपरनैचुरल हॉरर कॉमेडी शो 'घरवाली पेड़वाली' में लतिका का किरदार निभा रही हैं, अपने समर्पण और बेखौफ अंदाज़ के लिए जानी जाती हैं. हाल ही में आने वाले एक रोमांचक ट्रैक की शूटिंग के दौरान उन्होंने अपने अभिनय की सीमाओं को और आगे बढ़ाया. इस दौरान उन्होंने कई स्टंट खुद किए, जिनमें एक मुश्किल सीन ऐसा भी था जिसमें उन्हें लंबे समय तक हार्नेस के सहारे उल्टा लटकना पड़ा. जो शुरुआत में थोड़ा डरावना लग रहा था, वही अनुभव बाद में उनके लिए रोमांचक और आत्मविश्वास बढ़ाने वाला बन गया. अपने अनुभव को साझा करते हुए प्रियंवदा कांत ऊर्फ लतिका कहती हैं, 'हमारे शो में मैं कई स्टंट कर चुकी हूं. लगभग हर हफ्ते कोई न कोई नया स्टंट करना होता है. कुछ तो इतने अनोखे और चुनौतीपूर्ण होते हैं कि उन्हें करना आसान नहीं होता. ऐसा ही एक स्टंट था, जिसमें मुझे चमगादड़ की तरह उल्टा लटकना था. यह बहुत मुश्किल था क्योंकि काफी देर तक उल्टा लटकने से सारा खून सिर की तरफ दौड़ जाता है और उसी दौरान आपको अपने डायलॉग भी बोलने होते हैं. जब पहली बार इस सीन के बारे में सुना, तो मैं उत्साहित भी थी और थोड़ी घबराई हुई भी, क्योंकि यह ऐसा अनुभव नहीं है जिसकी आदत तुरंत पड़ जाए.

पिछले दो साल परिवार के लिए रहे मुश्किल और उतार-चढ़ाव भरे : टीना

बॉलीवुड सुपरस्टार गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा के बीच चल रहे तनाव पर उनकी बेटी टीना आहूजा ने पहली बार अपनी प्रतिक्रिया दी है. विमेंस डे के मौके पर अपनी मां के यूट्यूब व्लॉग में शामिल हुई टीना ने स्वीकार किया कि पिछला कुछ समय उनके परिवार के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा है. टीना ने कहा कि पिछले दो सालों में उन्होंने और उनके परिवार ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं. हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर तलाक की अफवाहों पर कुछ नहीं कहा, लेकिन उनके इस बयान ने साफ कर दिया है कि गोविंदा और सुनीता के बीच सब कुछ सामान्य नहीं है.

विवाद की शुरुआत तब हुई जब सुनीता आहूजा ने एक इंटरव्यू में गोविंदा के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का संकेत देते हुए गंभीर आरोप लगाए थे. उन्होंने दावा किया था कि गोविंदा का एक कम उम्र की अभिनेत्री के साथ रिश्ता रहा है. इसी व्लॉग में सुनीता ने अपने मन की बात साझा करते हुए कहा कि अब तक उन्होंने परिवार की सारी जिम्मेदारियां निभाई हैं, लेकिन अब वह केवल अपने लिए जीना चाहती हैं. उनके इस बयान ने फैंस के बीच उनके और गोविंदा के अलग होने की अटकलों को और हवा दे दी है.

दूसरी ओर, गोविंदा ने पत्नी द्वारा लगाए गए इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है. अभिनेता का कहना है कि उनके करियर के दौरान उन पर कई बार कीचड़ उछाला गया है, लेकिन उन्होंने हमेशा अपनी छवि साफ रखने की कोशिश की है. गोविंदा ने स्पष्ट किया कि उन्होंने कई सह-कलाकारों के साथ काम किया, पर किसी के साथ उनका रिश्ता पेशेवर मर्यादा से बाहर नहीं रहा.

'द ताज स्टोरी' का रहस्य

ताजमहल क्या है, प्यार का स्मारक या फिर इतिहास का रहस्य? क्या होगा जब इतिहास को खुद कटघरे में लाकर खड़ा कर दिया जाएगा? 13 मार्च को देखिए लॉयन्सगेट प्ले पर, द ताज स्टोरी, जो दर्शकों को एक ऐसे काल्पनिक कोर्टरूम ड्रामा में ले जाएगी, जो भारत के सबसे प्रतिष्ठित स्मारकों में से एक की तनावपूर्ण सुर्खियों पर केंद्रित है. इसमें परेश रावल ने शानदार अभिनय किया है.

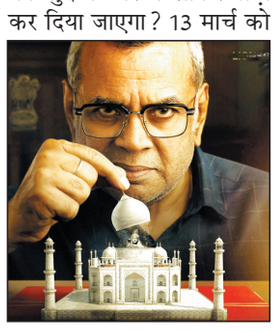

यह एक कानूनी थ्रिलर फिल्म है, जिसमें इतिहास को दर्ज करने के तरीके पर सवाल खड़ा किया गया है, किन लोगों ने इतिहास लिखा है और जब आम जनता इन स्थापित कहानियों को चुनौती देती है, तब क्या होता है?

जब ताजमहल के एक अनुभवी टूर गाईड विष्णु दास स्वीकृत इतिहास पर सवाल खड़ा करते हैं, तो उनकी निजी शंकाएं सत्य, विश्वास और इतिहास को लिखने की ताकत को लेकर एक सार्वजनिक कोर्टरूम में बहस छेड़ देती हैं.

तुषार अमरीश गोयल द्वारा निर्देशित इस फिल्म में साक्ष्य और भावना के बीच धुंधले अंतर में उतरकर दर्शकों को संगमरमर से आगे देखने तथा इस कहानी पर फिर से विचार करने के लिए आमंत्रित किया गया है, जिसके बारे में वो यही समझते आए हैं कि वो इसे अच्छी तरह जानते हैं.

अदा के पास 1 महीने से नहीं कोई काम

साल 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'द केरल स्टोरी' की एक्ट्रेस अदा शर्मा बीते 1 महीने से घर पर खाली बैठी हैं. उनके पास काम नहीं है. 33 साल की अदा ने वीडियो शेयर कर अपनी आपबीती सुनाई है. वह बताती हैं कि एक फिल्म के शेड्यूल में दिक्कतों की वजह से उनके दूसरे प्रोजेक्ट्स की टाइमलाइन में भी अटक गई है. इस कारण वह पिछले एक महीने से घर पर 'वेल्ली' बैठी हैं. एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में, एक प्रोड्यूसर के साथ अपने बुरे अनुभव का जिक्र किया है. बताया है कि वह बार-बार एक प्रोजेक्ट का शूटिंग शेड्यूल बदल देते थे. ऐसे में आखिरकार अदा के दूसरे प्रोजेक्ट्स के डेट्स भी आपस में क्लैश हो गए.

साल 2008 में विक्रम भट्ट की हॉरर फिल्म '1920' से बॉलीवुड डेब्यू करने वाली अदा शर्मा ने बताया कि एक ही समय में उन्होंने तीन प्रोजेक्ट्स के लिए कमिट किया था. हालांकि, पहली फिल्म का शेड्यूल बदलता रहा, जिससे उन दूसरे प्रोडक्शन्स की टाइमलाइन पर असर पड़ने लगा, जिन पर उन्हें काम करना था. पहली फिल्म के प्रोड्यूसर ने पहले से तय डेट्स को बनाए रखने पर जोर दिया और उनके मैनेजर पर किसी भी कीमत पर इसे पूरा करने का दबाव डाला.